

## पाठ - 03

### हिमालय की बेटियाँ

#### लेख से:

**उत्तर1:** नदियों को माँ मानने की परंपरा भारतीय संस्कृति में अत्यंत पुरानी है। नदियों को माँ का स्वरूप तो माना ही गया है लेकिन लेखक नागार्जुन ने उन्हें बेटियाँ, प्रेयसी व बहन के रूपों में भी देखते हैं।

**उत्तर2:** सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय की दो ऐसी नदियाँ हैं जिन्हें ऐतिहासिकता के आधार पर पुल्लिंग रूप में नद भी माना गया है। इन्हीं दो नदियों में सारी नदियों का संगम भी होता है। प्राकृतिक और भौगोलिक दृष्टि से भी इन की महत्ता है। कहा जाता है कि ये दो ऐसी नदियाँ हैं जो दयालु हिमालय की पिघले हुए दिल की एक-एक बूँद से निर्मित हुई हैं। इनका रूप विशाल और विराट है। इनका रूप इतना लुभावना है कि सौभाग्यशाली समुद्र भी पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ थामने पर गर्व महसूस करता है।

**उत्तर3:** नदियाँ युगों-युगों से मानव जीवन के लिए कल्याणकारी रहीं हैं। ये युगों से एक माँ की तरह हमारा भरण-पोषण करती हैं। इनका जल भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ाने में विशेष भूमिका निभाता है। इसलिए नदियाँ माता के समान पवित्र एवं कल्याणकारी हैं। मानव नदी को दूषित करने के में कोई कसर नहीं छोड़ता परन्तु इसके बावजूद भी अपार दुःख सहकर भी इस प्रकार का कल्याण केवल माता ही कर सकती है। अतः काका कालेलकर ने नदियों की माँ समान विशेषताओं के कारण उन्हें लोकमाता का दर्जा दिया है।

**उत्तर4:** हिमालय की यात्रा में लेखक ने हिमालय की अनुपम छटा की, नदियों की अठखेलियों की, बरफ से ढँकी पहाड़ियों की, पेड़-पौधों से भरी घाटियों की, देवदार, चीड़, सरो, चिनार, सफ़ेदा, कैल से भरे जंगलों की प्रशंसा की है।

#### अनुमान और कल्पना:

**उत्तर1:** हिमालय से निकलने वाली नदियाँ अब अपनी पवित्रता और मूल रूप को प्रदूषण के कारण खो चुकी हैं।

**उत्तर2:** हिमालय ने देवताओं का वास होने के कारण कालिदास ने हिमालय को देवात्मा कहा है।

#### • भाषा की बात

**उत्तर1:** 1. सचमुच दादी माँ शापभ्रष्ट देवी-सी लगी।

2. बच्चे ऐसे सुंदर जैसे सोने के सजीव खिलौने।

3. हरी लकीर वाले सफ़ेद गोल कंचे। बड़े आँवले जैसे।

4. बड़े मियाँ के भाषण की तूफ़ान मेल के लिए कोई निश्चित स्टेशन नहीं है सुनने वाला थककर जहाँ रोक दे वही स्टेशन मान लिया जाता है।

5. संध्या को स्वप्न की भाँति गुजार देते थे।

**उत्तर2:** 1. नदियाँ संभ्रांत महिला की भाँति प्रतीत होती थी।

2. जितना की हिमालय की गोद में बच्चियाँ बनकर ये कैसे खेल करती हैं।

3. हिमालय को ससुर और समुद्र को दामाद कहने में कुछ झिझक नहीं होती थी।

## NCERT Solution

4. बूढ़ा हिमालय अपनी इन बेटियों के लिए कितना सिर धुनता होगा।

उत्तर3:

विशेषण	विशेष्य
संभ्रांत	महिला
चंचल	नदियाँ
समतल	आँगन
घना	जंगल
मूसलधार	वर्षा

उत्तर4: छोटी-बड़ी

दुबली-पतली

भाव-भंगी

माँ-बाप

उत्तर5:

नव	वन	जातिवाचक संज्ञा
राम	मरा	भाववाचक संज्ञा
राही	हीरा	द्रव्यवाचक संज्ञा
धारा	राधा	व्यक्तिवाचक संज्ञा
नामी	मीना	व्यक्तिवाचक संज्ञा

उत्तर6: सतलुज

शतद्रुम

झेलम

वितस्ता

रोपड़

रूपपुर

अजमेर

अजयमेरु

बनारस

वाराणसी

विपाशा

चिनाब

उत्तर7:

ही के प्रयोग वाले वाक्य	नहीं के प्रयोग वाले वाक्य
वे शायद ही यह काम पूरा करें।	कंस के षडयंत्र को कौन नहीं जानता?
उन्होंने शायद ही जाना हो कि मैं अस्वस्थ हूँ।	आज मोदीजी को कौन नहीं जानता?
मेरे ध्यान में शायद ही तुम्हारा ख्याल आए।	राज माता के स्वभाव को कौन नहीं पहचानता?